05 सितम्बर 2022 को शिक्षक दिवस के अवसर पर दयानन्द सुभाष नेशनल कॉलेज , उन्नाव में आज़ाद भारत की शिक्षा व्यवस्था: चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएं विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नेता जी और महाविद्यालय के संस्थापक विशम्भर दयालु त्रिपाठी की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर और सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रारम्भ हुआ।

सर्वप्रथम उन्नाव जनपद के प्रतिष्ठित कवि एवं संस्कृति कर्मी कुमार दिनेश प्रि यमन ने निराला जी की प्रसिद्ध सरस्वती वंदना वर दे वीणावादिनी वर दे का पाठ किया , तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनन्द शुक्ल जी ने संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री राज बहादुर चन्देल , मुख्य वक्ता प्रोफेसर रमेश दीक्षित और विशिष्ट वक्ता कुमार दिनेश प्रि यमन और डॉ राम नरेश जी तथा कार्यक्रम की संयोजिका डॉ ममता चतुर्वेदी एवं सभी शिक्षकों और छात्र-छात्राओं का स्वागत किया।इसी क्रम में राष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजिका डॉ ममता चतुर्वेदी ने आज की संगोष्ठी के विषय का प्रवर्तन किया।आगे मुख्य अतिथि श्री राज बहादुर चन्देल (सदस्य विधान परिषद उ.प्र.)ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन का उल्लेख करते हुए बताया कि शिक्षक भी राजनीतिक व्यक्ति हो सकता है और बताया कि शिक्षा , स्वास्थ्य और सुरक्षा राज्य का उत्तरदायित्व है तथा शिक्षा की आंतरिक एवं बाह्य स्थितियों से अवगत कराया। इसी क्रम में संगोष्ठी के विशिष्ट वक्ता कुमार दिनेश प्रियमन ने श्री लाल शुक्ल के प्रसिद्ध उपन्यास राग दरबारी के एक कथन से अपनी बात प्रारम्भ करते हुए महाविद्यालय के संस्थापक विशम्भर दयालु त्रिपाठी के बारे में बताया कि वो अपने शिक्षक और राजनीति के बीच सामंजस्य बनाते हुए अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करते थे। किन्तु आज़ादी के इतने सालों बाद भी राजनीति ,अर्थशास्त्र आदि के बीच सामंजस्य की कमी है।शिक्षा का बजट कम से कम इतना हो कि मूलभूत आवश्यकताएं पूरी हो। ऑनलाइन व्यवस्था में उन्होंने सांस्कृतिक नीति की मांग की। दूसरे विशिष्ट वक्त डॉ राम नरेश ने मैथिलीशरण गुप्त की कविता के उदाहरण के माध्यम से बताया कि शिक्षा केवल नौकरी के लिए नही है।

मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर रमेश दीक्षित (पूर्व अध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग लखनऊ वि.वि.लखनऊ) ने बताया कि शिक्षा हमें बराबरी का हक देती है। शिक्षा हर तरह के अन्धविश्वाश से हमे विमुक्त करती है और शिक्षकों को आने वाली चुनौतियों को स्वीकार करना होगा।पुराकथाओं को इतिहास की तरह तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर प्रतुत किया जाय। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी के सह - संयोजक डॉ सुदर्शन सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ रचना त्रिवेदी ने किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों में डॉ उमेश बाजपेयी ,डॉ हेमेंद्र सेंगर ,डॉ विनय ,डॉ राजेश श्रीवास्तव , डॉ सरोज यादव,डॉ राकेश,डॉ सतीश सिंह ,डॉ शुभा,डॉ रंजना त्रिपाठी ,डॉ आकांक्षा श्रीवास्तव ,डॉ हरिशंकर यादव और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दयानन्द सुभाष नेशनल (पी.जी.) कॉलेज
उन्नाव, उत्तरप्रदेश
शिक्षक पर्व पर आयोजित
राष्ट्रीय संगोष्ठी
आज़ाद भारत की शिक्षा व्यवस्था : चुनौतियाँ एवं संभावनाएं
एवं
वेबिनार, पैनल चर्चा, पुस्तक वाचन एवं शैक्षिक फिल्म प्रसारण
दिनांक : 05-09 सितम्बर 2022
श्री मानवेन्द्र स्वरूप
सचिव, प्रबन्ध समिति
डॉ. ममता चतुर्वेदी
संयोजक
डॉ. सुदर्शन सिंह
सह - संयोजक
प्रो. आनन्द शुक्ल
प्राचार्य
आयोजक समिति- डॉ. सुनील वर्मा, डॉ. रंजना त्रिपाठी
डॉ. राकेश कुमार चौरसिया
डॉ. उत्कर्ष सक्सेना,

दयानन्द सुभाष नशनल (पा.जी.) कॉलेज
उन्नाव, उत्तर प्रदेश
शिक्षक पर्व पर आयोजित
राष्ट्रीय संगोष्ठी
एवं